पास्टर सरोजा म.

संपादक के नोट

यह एक नूतन वर्ष है और जैसे हम इस में कदम रखते हैं, हम इस २०१२ की पहली पत्रिका को प्रस्तुत करने के लिए बहुत खुश है। मैं प्रार्थना करती हूँ और उम्मीद करती हूँ कि प्रभु की उपस्थिति आपके जीवन में बहुतायत रीति से इस पूरे वर्ष में रहे।

यहोशू १४रू११ – मुझ में आज भी उतना ही बल है जितना उस दिन था जब मूसा ने मुझे भेजा था। युद्ध करने तथा भीतर–बाहर आने–जाने के लिए जितना सामर्थ्य उस समय मुझ में था उतना आज भी है।

कालेब, जिसकी उम्र ८० वर्ष से अधिक था, मैदानों पर आराम नहीं करना चाहता था। उसने यहोशू से पूछा
ष्मुझे यह पहाड़ दो, जिसके विषय में परमेश्वर ने उस दिन कहा था क्योंकि तुम ने उस दिन सुना था वहाँ अनाक–वंशी कैसे थे, और वें नगरें महान और बाड़ों से घिरे थे, अगर ऐसा है तो परमेश्वर मेरे साथ रहेगा, और फिर मैं उन्हें बाहर भगा पाऊँगा, जैसे ही परमेश्वर ने कहा।ष्

आम तौर पर, एक आदमी अपने अंत के वर्षों में वही शक्ति को बनाए रखने की कोशिश करता है जो उस में पच्चीस से पचास वर्ष के उम्र के समय था क्योंकि पचास वर्ष के बाद आदमी अपना बल खोने लगता है। सरकार उसके साठ वर्ष के उम्र में उसे निवृत्ति दिलाता है। उस आदमी का हृदय उस समय परेशान रहता है। वह सोचता है कि कौन मुझे अब सम्मान देगा, दूसरों पर मैं बोझ क्यों बनू, यह बहतर है कि मैं इस दुनिया को शांति से छोड़ दूँ।

लेकिन कालेब जो ८५ वर्ष का था और मज़बूत था, आनंद से कहता है ष्मैं अनाक–वंशी पुत्रों को हरा दूँगा और स्वतंत्रता पाऊँगा, इस लिए मुझे वह स्थान दो।ष हाँ, वह एक असाधारण आदमी था क्योंकि पवित्र आत्मा उस पर था।

मसीह में मेरे प्यारे बच्चों, एक आदमी की बुद्धि, योग्यता, धन और उसकी जवानी उसे वह जीत नहीं दे सकता जो परमेश्वर की आत्मा दे सकता है। वह निर्धन को धूल से उठाता और वही दरिद्र को राख के ढेर से ऊपर उठाता है कि उनको प्रतिष्ठितों के साथ बिठाए और महिमा के आसन का वारिस बनाए ताकि वें उसके साथ रहें। **ज़कर्याह ४रू६ – फिर उसने मुझ से कहा, ष्जरूब्बाबेल के लिए यहोवा का वचन यह हैः श्न बल से न शक्ति से, परन्तु मेरे आत्मा के द्वारा,श सेनाओं का यहोवा यही कहता है।**

एक आदमी था जो सड़कों पर गुब्बारे बेचता था। जब कभी कारोबार कम होता था वह आकाश में गुब्बारों को उड़ान भरने के लिए छोड़ देता था। दूर–दूर से जब बच्चे उन गुब्बारों को आकाश में देखते थे, वें आकर उस से गुब्बारे खरीदते थे। एक दिन एक लड़का जिसका रंग काला था उस आदमी के पास आया और पूछा – ष्मैंने कभी एक भी काले गुब्बारे को आकाश में नहीं देखा। क्या यह बात है कि काले गुब्बारे उड़ान नहीं भर सकते?ष गुब्बारा बेचनेवाला उस लड़के के हृदय के दुख को समझ गया। उस आदमी ने उस लड़के को गले लगाया और कहा – ष्नहीं बेटा, रंगों से फ़रक नहीं पड़ता, जो भी गुब्बारे को तुम हीलियम से भरो, वह उड़ान भर सकता है।ष वह छोटा लड़का बहुत आनंदित हुआ। ऐसे ही थे वें पचासी वर्ष के कालेब या गिदोन जो मिद्यानियों के सताए हुए थे। इसलिए परमेश्वर जिन्हें उसके पवित्र आत्मा से अधिकार देता वें शक्ति प्राप्त करेंगे। इसलिए, प्यारे बच्चों, परमेश्वर ने हमें शक्ति प्राप्त करने के लिए चुना है।

नभी यिर्मयाह कहता है –– **यिर्मयाह २०रू११ – परन्तु यहोवा मेरे साथ एक पराक्रमी योद्धा के समान है; इसलिए मेरे सतानेवाले ठोकर खाकर गिर पड़ेंगे और प्रबल न होंगे। वे पूर्णतरू लज्जित होंगे कयोंकि वे असफल हुए। उनका अपमान सदाकाल का होगा जो भुलाया न जाएगा।**

जैसे यिर्मयाह कहता है, वैसे ही नबी यशायाह भी कहता है – ***यशायाह ४०रू१० – देखो, प्रभु परमेश्वर साम र्थ्य हाथ के साथ आएगा, वह अपने भुजबल से प्रभुता करेगा। देखो, वह प्रतिफल देने आएगा, और उसका बदला देना भी उसके हाथ में है।***

जैसे परमेश्वर इस्रालियों के साथ बादल के रूप में था, और अग्नी–स्तंभ के रूप में, उस चट्टान के रूप में जिससे पानी मिला और उस वृक्ष के रूप में जिसने मारा के कड़वे पानी को मीठा बनाया। वह तुम्हारे साथ एक शक्तिशाली परमेश्वर के जैसे जाएगा। परमेश्वर का दूत तुम्हारे साथ रहेगा।

विश्वास में अपनी आतमिक आँखों से, हर स्थिति में परमेश्वर की उपस्थिति को अपने साथ देखो। परमेश्वर के लिए महान कार्यों को करने की योजना करो।

यशायाह ५४रू१० – चाहे पर्वत हट जाएं और पहाडियां टल जाएं, फिर भी मेरी करूणा तुझ पर से कभी न हटेगी, और शानति की मेरी वाचा न टलेगी।ष यहोवा, जो तुझ पर दया करता है उसकी यही वाणी है।

परमेश्वर के प्यारे बच्चों, उसके वचन के सच्चाई के अनुसार, परमेश्वर की उपस्थिति हमारे साथ हमेशा रहेगा लेकिन जब हम केवल उसके मार्गों के अनुसार चलेंगे और उसकी छाया में बने रहेंगे।

अगले महिने फिर मिलने तक – मसीह में तुम्हारी;

–– पास्टर सरोजा म.